संपादकीय

तंत्र की काहिली से बिगड़ते हालात

जंगल की आग के बारे में यही कहा जाता है कि एक सालाना उपक्रम के तहत वहां लगने वाली आग नए सृजन का रास्ता खोलती है। ऐसा सदियों से होता आया है और आगे भी होगा। लेकिन समस्या तब है, जब यह आग अनियंत्रित हो जाए, जंगल के जीव-जंतुओं के लिए काल बन जाए, नजदीक बसी मानव आबादी के लिए मुश्किल बन जाए। इस कारण पैदा हुए धुएं के कारण आना-जाना मुश्किल हो जाए और जंगल की बेशकीमती इमारती लकड़ी जलकर खाक हो जाए। एक सालाना उपक्रम की तरह इस साल भी कुछ समय से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के जंगलों में आग की खबरें आने लगी हैं। मुश्किल यह है कि अक्सर गर्मियों के मौसम में जंगली आग ऐसा ही विनाश रचती है लेकिन उस पर कोई खास रोक नहीं लग पा रही है।

खासतौर से उत्तराखंड के कुमाऊं के नैनीताल और चंपावत जिलों से आग की डरावनी तस्वीरें मई के आरंभ से ही आने लगी हैं। हालांकि वन कर्मी आग बुझाने के लिए जूझ रहे हैं। इस आग से सिर्फ जंगल स्वाहा नहीं हो रहे, बल्कि इससे पैदा होने वाली धुंध और धुएं के कारण यातायात भी प्रभावित हो रहा है। नैनीताल और चंपावत के अलावा चमोली के जंगलों में भी आग का प्रकोप दिखने लगा है। यहां के बदरीनाथ वन प्रभाग और केदारनाथ वन प्रभाग के जंगलों में आग से लगातार वन संपदा का नुकसान हो रहा है और वन्य जीवों का वजूद भी संकट में पड़ा हुआ है।

यह आग महज जंगल तक सीमित नहीं रहती। यह बढ़कर रिहायशी इलाकों और सार्वजनिक उपयोग की इमारतों-संपत्तियों तक पहुंच जाती है। जैसे पिछले साल हिमाचल प्रदेश के कसौली में वायुसेना डिपो तक आग पहुंच गयी थी, जिसे रोकने के लिए विमानों के जरिये पानी का छिड़काव करना पड़ा। कुछ मौकों पर कालका-शिमला ट्रेन को रोकना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर में वैष्णोदेवी के रास्ते त्रिकुटा के जंगलों में लगी आग ने श्रद्धालुओं का रास्ता रोक दिया था। पिछले साल नासा की सैटेलाइट तस्वीरों के जरिये बताया गया था कि यूपी, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के अलावा दक्षिणी राज्यों में आग से 6 हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र स्वाहा हो गया था।

वन क्षेत्रों में लगी आग को बुझाना आसान नहीं होता क्योंकि इससे पैदा होने वाले धुएं के कारण दृश्यता बेहद कम हो जाती है, इसलिए हेलीकॉप्टरों के जरिए उसे बुझाने की कोशिश करना बेहद जोखिम वाला काम बन जाता है। वैसे तो ऐसी हर जगह, जहां मॉनसून और सर्दियों में बारिश होती है और गर्मियों में सूखा मौसम रहता है, वहां आग लगती रहती है। बारिश की वजह से पेड़-पौधे खूब बढ़ जाते हैं। गर्मियों में झाड़ियां और घास-फूस सूखकर आग लगने का माहौल तैयार कर देते हैं। प्राकृतिक रूप से जंगलों में लगने वाली आग से वहां के पेड़-पौधों को निपटने का तरीका मालूम है। कहीं पेड़ों की मोटी छाल बचाव का काम करती हैं तो कहीं आग के बाद जंगल को फिर से फलने-फूलने का हुनर आता है। अफ्रीका के सवाना जैसे घास के मैदानों में बार-बार आग लगती रहती है लेकिन घास-फूस जल्दी जलने से आग का असर जमीन के अंदर, घास-फूस की जड़ों तक नहीं पहुंचता।

उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के जंगलों की आग के पीछे कुछ ऐसी ही वजहें हैं। यहां के जंगलों में चीड़ की बहुतायत है। जब कभी पिरुल कहलाने वाली चीड़ की पत्तियों के ढेर ज्यादा लग जाते हैं तो जंगलों में जरा-सी चिंगारी विशाल रूप ले लेती है। चीड़ की एक और खासियत है कि यह अपने आसपास चौड़ी पत्तियों वाले वृक्षों को पनपने नहीं देता। पहले जंगलों में बिखरी चीड़ की पत्तियों को लोग पशुओं के नीचे बिछौने के रूप में इस्तेमाल कर लेते थे। पत्तियों को गोबर के साथ सड़ाकर खाद बना लेते थे लेकिन रोजगार के चलते हुए पलायन के कारण गांव के गांव खाली हैं।

आग को बुझाने के तीन तरीके विशेषज्ञ सुझाते हैं। पहला, मशीनों से जंगलों की नियमित सफाई हो, चीड़ आदि की पत्तियों को समय रहते हटाया जाए, लेकिन यह बेहद महंगा विकल्प है। दूसरा, वहां नियंत्रित ढंग से आग लगाई जाए। दक्षिण अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कई देशों में यही किया जा रहा है, लेकिन इसके लिए भी काफी संसाधन चाहिए। तीसरा यह कि पर्वतीय इलाकों में पलायन रोक कर जंगलों पर आश्रित व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाए, जिससे जंगलों की साफ-सफाई होगी और आग के खतरे कम होंगे। चूंकि हमारे नेतागणों, योजनाकारों ने जंगलों की आग की अहमियत को ठीक से समझा नहीं है, इसलिए कहना मुश्किल है कि इनमें से कोई भी तरीका उन्हें रास आएगा। ऐसे में इकलौता तरीका यही है कि सूचना मिलते ही हेलीकॉप्टर पानी के साथ दहकते जंगलों की तरफ रवाना किए जाएं और गांव, प्रशासन समेत सेना भी ऐसे नाजुक मौकों पर अलर्ट रहे।

अरमानों-फरमानों का रोड शो

चुनावों का मौसम है। रैलियां और रोड शो जारी हैं लेकिन मुरारी जी रोड शो के तरीके को लेकर बहुत गुस्सा हैं। भला ये भी कोई रोड शो है, जिसके लिए रोड शो किया जा रहा है वही स्टार प्रचारक के पीछे दुबका खड़ा है। हाथ हिलाकर अभिवादन करने से पहले बार-बार प्रचारक का मुंह देखता है, उनकी प्रतिक्रिया का आकलन करता है, फिर अपने उठे हाथ नीचे कर लेता है। उसकी प्रचारक के सामने वैल्यू ही कितनी है, डॉलर के सामने रुपैये जितनी ही न।

अपने रोड शो की यादों में मुरारी जी खोते हुए बता रहे हैं–कितनी आन-बान-शान थी उनके रोड शो में। सिर पर चमकदार पगड़ी, विशेष रूप से सिलवाई गई अचकन, जरी की कढ़ाई वाली जूतियां, कमर में तलवार और शानदार बग्घी। घर से महिलाओं ने तिलक लगाकर विदा किया था। नजर न लगे, इसलिए बालों के नीचे माथे के दाहिनी ओर काजल का टीका लगाया गया था। बग्घी में केवल वह ही विराजमान थे। साथ में थे बहिन के दो छोटे बच्चे। फूफानुमा स्टार प्रचारक से कोसों दूर। न आचार संहिता का लफड़ा, न रोड शो के रूट की फिक्र और न समय की सीमा। तब डीजे चलन में नहीं था। बैंडवाले ही रूट और समय निर्धारित करते थे। नागिन डांस पर रुपए लुटाने पर कोई पाबन्दी नहीं।

मुरारी जी का कहना है कि उनका रोड शो तो मुख्य सड़क को छोड़कर कस्बे की हर गली से होकर गुजरा था। घरों की बालकनी में खड़ी बड़ी बूढ़ी उनको देखकर खुसुर-पुसुर कर रही थी–बहुतई नोनो लग रहो है दूल्हा तो। उनकी शादी में तो तीन-तीन फूफा थे लेकिन मजाल क्या कि किसी ने दूल्हे की शान कम करने की कोशिश की हो। छोटे चाचा की व्यवस्था भी पूरी चाक-चौबन्द थी। रॉयल चैलेंज के पचास-पचास एम.एल. के दो-दो पैग नीचे उतरवा कर उन्होंने तीनों फूफा से 'ये देश है वीर जवानों का' गीत पर लुंगी डांस करवा दिया था।

अपने रोड शो की सफलता से मुग्ध मुरारी जी ने आगे कहा-कोई सुरक्षा व्यवस्था भी नहीं थी हमारे रोड शो में लेकिन सारे बाराती गजब के स्व-अनुशासन में चल रहे थे।

दिल्ली से काठमांडू के लिए तीसरी उड़ान शुरू करेगी इंडिगो

नईदिल्ली। यात्री संख्या के लिहाज से देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से नेपाल की राजधानी काठमांडू के लिए तीसरी उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। साथ ही वह सात नयी घरेलू उड़ानें भी शुरू करेगी।

कंपनी ने बुधवार को बताया कि दिल्ली और काठमांडू के बीच 04 जुलाई से उसकी नयी उड़ान शुरू होगी। यह दैनिक उड़ान होगी। इसका किराया 5,500 रुपये से शुरू होगा और बुकिंग शुरू हो चुकी है। इंडिगो के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विलियम बोल्टर ने बताया कि कंपनी के लिए काठमांडू महत्त्वपूर्ण बाजार है। संपर्क बढ़ने से दोनों शहरों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

एयरलाइन ने बताया कि क्षेत्रीय संपर्क योजना यानी उड़ान के तहत 20 जुलाई से वह कोलकाता से शिलॉंग के लिए अपनी पहली उड़ान शुरू करेगी। शिलांग उसका 54वाँ घरेलू गंतव्य होगा। रायपुर और कोलकाता के बीच भी उसने कुल मिलाकर पाँच नयी उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। इन मार्गों पर एटीआर-18 विमानों का इस्तेमाल किया जायेगा।

लाजियो ने 7वीं बार जीता कोपा इटालिया खिताब

रोम। आखिरी मिनटों में किए गए शानदार दो गोलों की मदद से इटली के क्लब लाजियो ने अटलांटा को 2-0 से हराकर सातवीं बार कोपा इटालिया फुटबाल खिताब अपने नाम कर लिया। समाचार एजेंसी एफे की रिपोर्ट के अनुसार, अटलांटा की टीम ने इस सीजन में सेरी-ए लीग के दौरान लाजियो को दो बार हराया था। लेकिन लाजियो की टीम ने बुधवार रात उसी मैदान पर अटलांटा से पिछली हार का बदला चुकता कर लिया। पहला हाफ गोल रहित रहने के बाद लाजियो के कोच सिमोन इंगाजी ने दूसरे हाफ में टीम में कई बदलाव किए। कोच ने 66वें मिनट में पहले तो काइरो इमोबिल की जगह फेलिप काइकेडो को मैदान पर उतारा और फिर 79वें मिनट में लुइस अल्बटरे की जगह सर्बियाई खिलाड़ी सर्गेज मिलिनकोविक साविक को भेजा।

आईएलएंडएफएस समेत 250 कंपनियों पर लगाया जुर्माना

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोकर रिचायरमेंट्स यानी सूचीबद्ध करने संबंधी दायित्वों व खुलासे की आवश्यकताओं (एलओडीआर) का अनुपालन नहीं करने को लेकर 250 कंपनियों पर बुधवार को जुर्माना लगाते हुए उन्हें नोटिस जारी किया। जिन कंपनियों पर जुर्माना लगाया गया है, उनमें अस्थाई तौर पर परिचालन बंद कर चुकी

एयरलाइन कंपनी जेट एयरवेज, संकट से जूझ रही आईएलएंडएफएस की अनुषंगी कंपनियों और अदाणी पोर्ट्स व विशेष आर्थिक जोन (एपीएसईजेड), इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड, इंडिगो और कई सरकारी कंपनियां शामिल हैं। एनएसई ने एक बयान में कहा, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज(एनएसई) ने अपनी सभी सूचीबद्ध कंपनियों को सूचीबद्ध करने संबंधी विनियमनों के अनुपालन की अन्वीक्षा करने के बाद जुर्माना लगाते हुए नोटिस जारी किया है।

एनएसई ने इस संबंध में बाजार विनियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सर्कुलर का जिक्र किया है, जिसके तहत एक्सचेंज को प्रमोटर व प्रमोटर समूह द्वारा सूचीबद्ध करने के नियमों का अनुपालन नहीं करने या निर्धारित अवधि के भीतर रोजाना शुल्क नहीं चुकाने पर उन पर जुर्माना लगाने व उनकी होल्डिंग जब्त करने का अधिकार है।

ओला ने लॉन्च किया क्रेडिट कार्ड, मिलेगा ज्यादा कैशबैक

बेंगलुरु। ओला ने बुधवार को एसबीआई कार्ड के साथ साझेदारी में ओला मनी एसबीआई क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने की घोषणा की। ओला ने 2022 तक एक करोड़ ओला मनी एसबीआई क्रेडिट कार्ड जारी करने का लक्ष्य बनाया है। कार्ड यूजर्स को इस क्रेडिट कार्ड पर सबसे ज्यादा कैशबैक और रिवार्ड्स मिलेगा। यह कैशबेक व रिवार्ड्स अपने आप ओला मनी में क्रेडिट हो जाएगा जिसे ओला राइड्स, फ्लाइट व होटल बुकिंग में रिडीम किया जा सकेगा और इसकी वैलिडिटी भी लाइफटाइम होगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वीजा द्वारा संचालित होने वाला यह कार्ड आवेदन की सरल प्रक्रिया की पेशकश कर, ज्वाइनिंग फीस को समाप्त कर और लाखों ओला यूजर्स को निर्बाध, लचीली और सुविधाजनक भुगतान की सुविधा प्रदान कर ग्राहक के अनुभव को बदलकर रख देगा। कंपनी ने कहा कि ओला यूजर्स अपने क्रेडिट कार्ड को सीधे ओला ऐप पर कुछेक टैप के साथ अप्लाई, व्यू और मैनेज कर पाएंगे। ओला के सह-संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल ने कहा, हम ओला मनी एसबीआई क्रेडिट कार्ड लॉन्च करके बेहद उत्साहित हैं और अगले कुछ वर्षो में इसे लाखों भारतीयों तक पहुंचाने के प्रति आशान्वित हैं। अपने प्लेटफॉर्म पर 15 करोड़ से अधिक डिजिटल-फर्स्ट उपभोक्ताओं के साथ ओला भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाले समाधानों को संचालित करने में एक मुख्य स्रोत होगा।

एसबीआई कार्ड के एमडी और सीईओ हरदयाल प्रसाद ने कहा, ओला मनी एसबीआई कार्ड की शुरुआत हमारे ग्राहकों को अभिनव और इंडस्ट्री-फर्स्ट भुगतान समाधान प्रदान करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को

टेनिस : फ्रेंच ओपन से हटीं चोटिल शारापोवा

लंदन। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 रूस की मारिया शारापोवा ने कंधे की चोट के चलते फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता शारापोवा इस साल जनवरी के बाद से एक भी मैच नहीं खेली हैं। फरवरी में उनका एक छोटा सा आपरेशन भी हुआ था। चोट के चलते ही वह इस महीने इटेलिन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में भी नहीं खेल पाई थी। दो बार की रोला गैरां चैंपियन शारापोवा ने इंस्टाग्राम पर बताया कि वह 26 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में भाग लेने नहीं जा रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, आज फ्रेंच ओपन से अपना नाम वापस ले रही हूं। कभी-कभी सही फैसला लेना आसान नहीं होता। अच्छी बात ये है कि अभ्यास के लिए मैं कोर्ट पर लौट आई हूं और धीरे-धीरे अपने कंधे की ताकत प्राप्त कर रही हूं। मैं पेरिस को बहुत मिस करूंगी। 2012 और 2014 में फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाली शारापोवा ने ड्रग्स मामले में 15 महीने के प्रतिबंध के बाद अप्रैल 2017 में कोर्ट पर वापसी की थी।

फुटबाल : स्टीमाक ने 37 खिलाड़ियों को अभ्यास शिविर में बुलाया

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबाल टीम के नवनियुक्त कोच इगोर स्टीमाक ने अगले महीने होने वाले किंग्स कप की तैयारियों के लिए 37 संभावित खिलाड़ियों को अभ्यास शिविर के लिए बुलाया है। किंग्स कप का आयोजन थाईलैंड के बुरीराम में पांच से आठ जून तक होना है। वहीं, भारतीय टीम का अभ्यास शिविर 20 मई से यहां शुरू होगा। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को ही क्रोएशिया के पूर्व खिलाड़ी स्टीमाक को

भारत की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। स्टीमाक ने एआईएफएफ से कहा, एएफसी एशियन कप में भाग लेने वाली भारतीय टीम का मैं सम्मान करता हूं। बाकी खिलाड़ियों को मैंने आई-लीग और आईएसएल में खेलते देखा है। मैंने देखा है कि कुछ खिलाड़ी काफी शानदार हैं और मैंने उन्हें शिविर में बुलाया है। उन्होंने कहा, मैं सभी खिलाड़ियों को बधाई देता हूं और उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मैं नई दिल्ली आने और तुरंत काम पर लग जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। मैंने हमेशा नई चुनौतियों का सामना किया है और अब मैं ब्लू टाइगर्स (भारतीय टीम) को कोचिंग देने के लिए काफी उत्साहित हूं।

राशिफल

मेष: राशि का स्वामी मंगल-राहु-चंद्र की संगति में है। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। रुका काम बनने की संभावना है।

वृषभ: आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद- प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मिथुन: राशि स्वामी की व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में अशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा।

कर्क: चन्द्रमा तृतीय भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंह: राशि का स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गया है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगी।

कन्या: राशि स्वामी बुध भाग्य वृद्धि कर रहा हैं रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा।

तुला: आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है।

वृश्चिक: आपकी राशि पर शनि एवं एकादश भाव चंद्र योग अभी सात दिन और चलेगा। फलस्वरूप कुछ आन्तरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त , संबंधी समस्या हो सकती है।

धनु: आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है।

मकर: आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा।

कुंभ: आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि क्योंकि मार्गी उदय चल रहा है।

मीन: आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें संबंध खराब होने का खतरा है।

टेस्ट और हेल्थ का डबल डोज़ है पालक आमलेट

सुबह का नाश्ता टेस्टी होने से ज्यादा हेल्दी होना चाहिए। ब्रेकफास्ट में अंडा या अंडे से बनी डिश एकदम सही ऑप्शन है तो आज हम पालक आमलेट बनाने की रेसिपी जानेंगे।

सामग्री :

अंडे- 2, पालक- 1 कप (कटे हुए), धनिया पत्ता- 1/4 कप, नमक- स्वादानुसार, हरी मिर्च- 1 (बारीक कटी), अदरक- 1/4 चम्मच, हल्दी- चुटकीभर, प्याज- 1 (बारीक कटा), जीरा- 1/4 चम्मच, लाल मिर्च- 1/4 चम्मच, घी या मक्खन- आवश्यकतानुसार

विधि :

पालक को धोकर काट लें। अब एक बाउल में अंडे तोड़कर डालें। फिर इसमें पालक, धनिया पत्ती, प्याज़, नमक, जीरा, अदरक, हल्दी और कटी हरी मिर्च डालकर अच्छे से फेटें। पैन गर्म कर उसमें घी या मक्खन डालें। इसके बाद अंडे का मिक्सचर डालें। पालक कम लग रही है तो ऊपर से भी थोड़ा डाल सकते हैं। अब अच्छे से दोनों साइड पका लें। ऊपर से चाहे तो लाल मिर्च बुरक कर डाल सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य-64

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

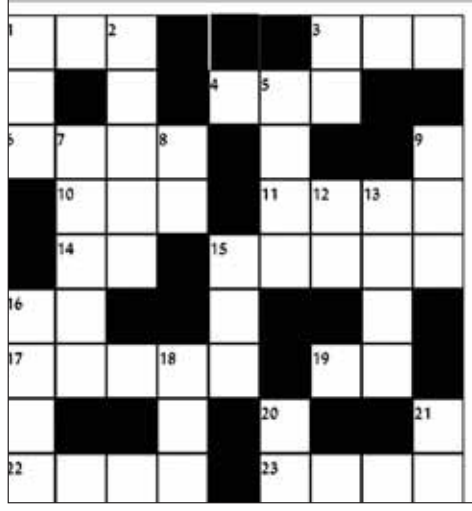

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	शिम
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	वं	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

सू-दोकू- 64

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.64 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3
3	4	8	6	7	9	2	1
1	2	9	5	3	8	7	4
2	8	1	9	5	6	4	7
6	9	7	2	4	3	5	8
5	3	4	7	8	1	9	6
8	7	2	1	6	5	3	9
4	6	5	3	9	7	1	2
9	1	3	8	2	4	6	5